First Unit Test : AUGUST - 2022

Std.: X **HINDI** **M.Marks : 10**

कृति 1. : निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए. [06]

(1) आकृति पूर्ण कीजिएः (02)

खोए हुए आदमी के गुण → (1) ....
→ (2) ....

धीरे-धीरे गाँववलों को खोए हुए आदमी के कई गुणों के बारे में पता चलने लगा। वह पशु-पक्षियों से बातें करता प्रतीत होता। लगता था जैसे वह पशु-पक्षियों की भाषा जानता हो। वह आँधी, तूफान, चक्रवात आने, ओले पड़ने या टिड्डियों के हमले के बारे में गाँववालों को पहले ही आगाह कर देता। उसकी भविष्यवाणी के कारण गाँववाले मुसीबतों से वच जाते। जब एक बार गाँव में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई, तो खोए हुए आदमी ने आकाश की ओर देखकर न जाने किस भाषा में, किस देवता से प्रार्थना की। कुछ ही समय बाद गाँव में मूसलधार बारिश होने लगी। सूखी-प्यासी मिट्टी तृप्त हो गई। बच्चे-बड़े सभी इस झमाझम बारिश में भीगने का भरपूर आनंद लेने लगे। उस दिन से खोया हुआ आदमी गाँव में सबका चहेता हो गया।

(2) (i) गद्यांश में आए शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए। (01)

(अ) .... (ब) ....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए पर्यायवाची शब्द लिखिए : (01)

(अ) वर्षा = ... (ब) देहात = ...

(3) 'झमाझम बारिश का सब भरपूर आनंद लेने लगे' 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (02)

कृति 2. : निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए. [04]

(1) आकृति पूर्ण कीजिएः (02)

(i) खजूर के पेड़ की विशेषता -

↓ [ ] ↓ [ ]

(ii)

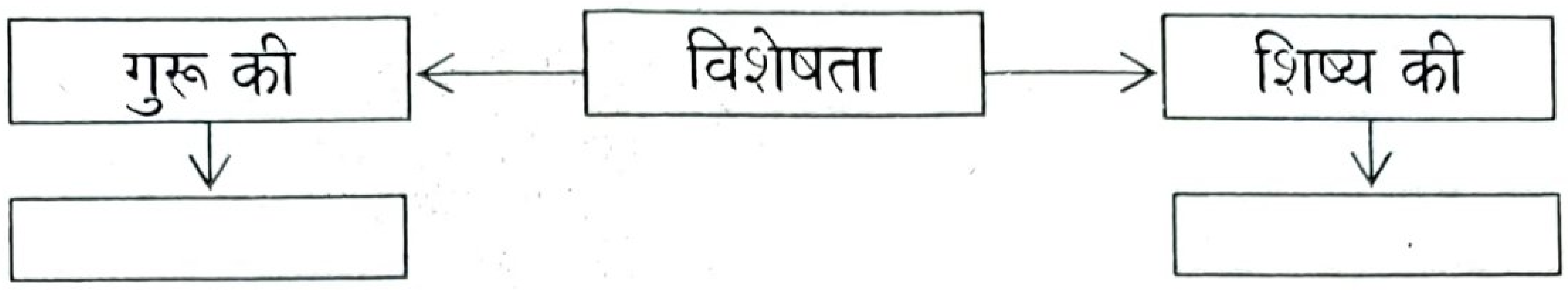

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागें अति दूर।
सिष को ऐसा चाहिए, गुरु को सब कुछ देय।
गुरु को ऐसा चाहिए, सिष से कुछ नहिं लेय।
कबिरा संगत साधु की, ज्यों गंधी की बास।
जो कुछ गंधी दे नहीं, तौ भी बास सुबास।।
दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।

(2) पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (02)